

प्रेषक

हरिश्चन्द्र जोशी,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
विद्यालयी शिक्षा,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

माध्यमिक शिक्षा अनुभाग-3

देहरादून दिनांक: 13 दिसम्बर, 2007

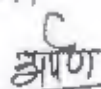
विषय:- राजीव गाँधी नवोदय विद्यालय सन्तुधार, पौड़ी के भवन निर्माण हेतु धनराशि की स्वीकृति विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या: 27485/5ख1/18/रा0गा0न0वि0/2007-08; दिनांक: 27.08.2007 के संबंध में शासनादेश संख्या: 26/XXIV-2/2005, दिनांक: 28.1.2005 तथा शासनादेश संख्या: 99/XXIV-3/2007/02(150)/2005, दिनांक: 23 मार्च, 2007 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय राजीव गाँधी नवोदय विद्यालय सन्तुधार, पौड़ी के भवन निर्माण हेतु उ0प्र0 राजकीय निर्माण निगम पौड़ी इकाई के अनुमोदित आगणन की लागत रु0 1313.23 लाख के सापेक्ष पूर्व स्वीकृत धनराशि रु0 711.00 लाख को समायोजित करते हुए देय अवशेष धनराशि रु0 602.23 लाख के सापेक्ष चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 में रु0 150.00 लाख (रुपये एक करोड़, पचास लाख मात्र) की धनराशि को प्रश्नगत योजना में शासनादेश संख्या: 1010/XXIV-3/2007/02(20)2007, दिनांक: 03 अगस्त, 07 द्वारा आपके निवर्तन पर रखी गयी धनराशि रु0 1050.00 लाख में से नियमानुसार व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति निम्न प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं :-

- (1)- उक्त कार्य की लागत अब किसी भी दशा में पुनरीक्षित नहीं की जायेगी।
- (2)- आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरें शिड्यूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गई हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदन करना आवश्यक होगा।
- (3)- कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के किसी भी दशा में कार्य प्रारम्भ न किया जाय।
- (4)- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।





(2)

- (5)- एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।
- (6)- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मददे नजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।
- (7)- कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली-भांति निरीक्षण उच्च-अधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात स्थल पर आवश्यकतानुसार एवं प्राप्त निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाय।
- (8)- आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गई है, उसी मद पर व्यय किया जाय, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।
- (9)- निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा लिया जाय तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाये।
- (10)- निर्माण की गुणवत्ता के लिए संबंधित निर्माण एंजेंन्सी उत्तरदायी होगी। अनुमोदित लागत पर ही निर्माण कार्य को पूरा किया जाय। किसी भी दशा में आगणनों को पुनरीक्षित नहीं किया जायेगा।
- (11)- निर्माण कार्यों की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति के विवरण प्रत्येक माह की 15 तारीख तक निर्माण संस्था द्वारा विभागाध्यक्ष/संस्था को उपलब्ध कराये जायेंगे।
- (12)- विभाग निर्माण कार्य की गुणवत्ता/प्रगति की चेकिंग की कार्यों की व्यवस्थता थर्ड पार्टी से करायेंगे तथा इसका व्यय सेन्टेज चार्ज में निहित धनराशि से वहन करना होगा। अवशेष धनराशि हेतु प्रस्ताव करने से पूर्व थर्ड पार्टी चेकिंग की रिपोर्ट को प्रस्तुत किया जाय।
- 3- निर्माण की गुणवत्ता के लिए कार्यदायी संस्था के संबंधित अभियन्ता उत्तरदायी होंगे।
- 4- इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या 11 के अधीन लेखाशीर्षक-4202-शिक्षा, खेल-कूद तथा संस्कृति पर पूंजीगत परिव्यय-01-सामान्य शिक्षा- 202-माध्यमिक शिक्षा-आयोजनागत-00-16-राजीव गाँधी नवोदय विद्यालय के भवनों का निर्माण-24-वृहद निर्माण कार्य के नामें डाला जायेगा।
- 5- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या: 477(P)/वित्त(व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3/2007 दिनांक: 03 दिसम्बर, 2007 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।





भवदीय,
(हरिश्चन्द्र जोशी)
सचिव

संख्या: 1389(1)/XXIV-3/07/02(150)2005, तदुदिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित -

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा० मुख्य मंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
- 3- निजी सचिव, मा० शिक्षा मंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
- 4- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- आयुक्त, गढ़वाल मण्डल-पौड़ी।
- 6- मण्डलीय संयुक्त शिक्षा निदेशक, गढ़वाल मण्डल-पौड़ी।
- 7- बजट, राजकाषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय।
- 8- जिलाधिकारी, पौड़ी।
- 9- कौषाधिकारी, पौड़ी।
- 10- संबंधित निर्माण एजेंसी।
- 11- वित्त विभाग अनु०-03/नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड सचिवालय।
- 12- कम्प्यूटर सेल (वित्त विभाग), उत्तराखण्ड शासन।
- 13- एन०आई०सी० सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 14- जिला शिक्षा अधिकारी, पौड़ी।
- 15- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(६)

(पी०एल०शाह)

उप सचिव

अभिषेक